

- सांसदों, उनके परिवारजनों एवम निजी स्टाफ के लिये सूचनायें (SoPs) राज्य सभा की वेबसाईट www.rajyasabha.nic.in के नोटिस बोर्ड में प्रकाशित की गई हैं। उससे भेदभाव क्यों ?
- संसदों के लीए RT-PCR टेस्ट लेकिन PA/PS/ Driver और घर में काम करने वाले लोगों का Rapid Antigen टेस्ट क्यों ?
- भाजपा के सांसद & गुजरात भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री सी. आर. पाटिलजी ने ट्विट किया था कि मेरा Rapid Antigen टेस्ट नेगेटीव आया हैं। मैं स्वस्थ हूं और RT-PCR टेस्ट के रिजल्ट का इंतजार हैं। लेकिन फिर श्री पाटिलजी का RT-PCR टेस्ट कोरोना पोजिटिव निकला। इस का मतलब साफ हैं कि Rapid Antigen टेस्ट बिलकुल विश्वास योग्य नहीं हैं।
- Rapid Antigen टेस्ट विश्वास योग्य नहीं हैं। ICMR की गाइड लाइन भी यही मानती है।
- एक ओर तारांकित प्रश्न और प्राइवेट मेम्बर्स बिजनेस संसद के इस सत्र में कोरोना के नाम पर रोक देने की सरकार ने पैरवी की हैं और दूसरी ओर कोरोना के प्रति अनदेखी करते हुए जो टेस्ट कन्फर्म नहीं, विश्वास के लायक नहीं, ऐसा Rapid Antigen टेस्ट सदस्यों के निजी स्टाफ का करना कितना उचित हैं?
- चाहे सांसद हो या श्रमिक हो , चाहे पैसेवाला हो या गरीब हो , ज़िंदगी सबकी महेत्व की है। हमें भेदभाव नहीं करना चाहिए।
- राज्य सभा के सांसद शक्तिसिंह गोहिल ने महासचिव, राज्य सभा, को ख़त लिखकर आग्रह किया हैं कि राज्य सभा में आने वाले और उनके संपर्क में आने वाले सभी का RT-PCR टेस्ट ही होना चाहिये।



शक्तिसिंह गोहिल सांसद, राज्य सभा

प्रति,
माननीय महासचिव,
राज्य सभा,
संसद भवन, नई दिल्ली-११०००१

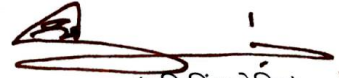
नमस्कार,

संसद का सत्र १४ सितम्बर, २०२० से शुरू हो रहा है। इस सत्र के लिये सांसदों, उनके परिवारजनों एवं निजी स्टाफ के लिये सूचनायें (SoPs) राज्य सभा की वेबसाइट www.rajyasabha.nic.in के नोटिस बोर्ड में प्रकाशित की गई हैं। इन सूचनाओं में निर्देशित किया गया है कि सांसदों का RT-PCR टेस्ट ७२ घंटे से पहले करवाना होगा। निजी स्टाफ (PA/PS/Driver और घर में काम करने वाले लोगों) का Rapid Antigen टेस्ट करवाना होगा। इस टेस्ट के लिये संसद भवन में ११ सितम्बर से सुविधा उपलब्ध होगी। Rapid Antigen टेस्ट का रिजल्ट ठीक नहीं होता है। ICMR की गाइड लाइन भी साफ़ है। अभी दिनांक ८ सितम्बर २०२० को शाम ५.१५ बजे भाजपा के सांसद & गुजरात भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री सी. आर. पाटिलजी ने ट्विट किया था कि मेरा Rapid Antigen टेस्ट नेगेटिव आया है। मैं स्वस्थ हूँ और RT-PCR टेस्ट के रिजल्ट का इंतजार हूँ। लेकिन फिर श्री पाटिलजी का RT-PCR टेस्ट कोरोना पोजिटिव निकला। इस का मतलब साफ़ है कि Rapid Antigen टेस्ट बिलकुल विश्वास योग्य नहीं है। एक ओर तारांकित प्रश्न और प्राइवेट मेम्बर्स बिजनेस संसद के इस सत्र में कोरोना के नाम पर रोक देने की सरकार ने पैरवी की है और दूसरी ओर कोरोना के प्रति अनदेखी करते हुए जो टेस्ट कन्फर्म नहीं, विश्वास के लायक नहीं, ऐसा Rapid Antigen टेस्ट सदस्यों के निजी स्टाफ का करना कितना उचित है? आज हमारे देश में कोरोना का कहर बढ़ा है, इसमें कुछ ऐसी चीजों की सही व्यवस्था नहीं होना भी एक कारण है। हम विश्वास के लायक टेस्ट नहीं करते हैं और ना ही जरूरी ठोस कदम उठाते हैं। इसलिये देश में कोरोना दुनिया के ऊंचे पायदानों पर पहुंच गया है। चाहे सांसद हो या श्रमिक हो, चाहे पैसेवाला हो या गरीब हो, ज़िंदगी सबकी महेत्व की है। हमें भेदभाव नहीं करना चाहिए।

मेरा आग्रह है कि राज्य सभा में आने वाले और उनके संपर्क में आने वाले सभी का RT-PCR टेस्ट ही होना चाहिये।

धन्यवाद एवं शुभ कामनायें,

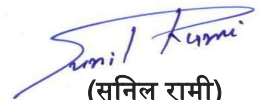
भवदीय,


(शक्तिसिंह गोहिल)

24 अकबर रोड, नई दिल्ली - 110011 (दूरभाष): 91 - 1123012411, 91 - 79 - 26859555
www.shaktisinhgohil.com

प्रति,

संपादक, आपसे इस प्रेसनोट को आपके प्रतिष्ठित अखबार में जगह देने विनम्र गुजारिश है।


(सुनिल रामी)
निजी सहायक